

# मयंक, प्रशांत और अनिरुद्ध को स्वर्ण पदक

दीक्षा समारोह ● आइआइएम के 317 विद्यार्थियों को विक्रम किलोस्कर के हाथों मिली उपाधि

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर (आइआइएम) में मंगलवार को 11वें दीक्षा समारोह आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि किलोस्कर सिस्टम्स के अध्यक्ष व टोयोटा किलोस्कर मोटर के उपाध्यक्ष विक्रम किलोस्कर के हाथों 317 विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। बोर्ड आफ गवर्नर्स स्वर्ण पदक व ओवर हाल बेस्ट परफार्मेंस के आधार पर मयंक तिवारी को दो स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। प्रशांत सिंह को डायरेक्टर स्वर्ण पदक व अनिरुद्ध परमार को पीजीपी चेंबरर्स पर्सनल स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

विक्रम किलोस्कर ने अपने कालेज के दिनों को याद करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि हमें शिक्षा के साथ अपनी स्किल को भी बेहतर करना जरूरी है, ताकि देश-समाज में बेहतर बदलाव लाया जा सके। देश को विश्व में सर्वोच्च शिखर में पहुंचाने, आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना है। आइआइएम के डायरेक्टर प्रोफेसर राजकुमार कांकाणी ने बताया कि आइआइएम रायपुर देश ही नहीं, विश्व के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में से एक है। आइआइएम रायपुर ने फारेन एक्सचेंज प्रोग्राम में कई अन्य संस्थानों के साथ सहयोग किया। इस वर्ष छात्रों ने जर्मनी, आस्ट्रिया, फ्रांस आदि के संस्थानों के साथ विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया। मौके पर बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष

**11**  
वां दीक्षा समारोह  
आइआइएम रायपुर का

स्टार्टअप  
में भी  
छात्र आगे

दीक्षा समारोह में प्रबंधन के 317 विद्यार्थियों को डिग्रियां बांटी गईं। प्रबंधन ने बताया कि यहां के छात्रों को 100 प्रतिशत जाब प्लेसमेंट मिलता है। स्टार्टअप में भी आइआइएम रायपुर के विद्यार्थी आगे रहे हैं। रायपुर आइआइएम में पढ़े विद्यार्थी देश-विदेश में बड़े संस्थानों के उच्च पदों पर कार्यरत हैं, जो छत्तीसगढ़ के लिए भी गौरव की बात है।



दीक्षा समारोह में उपाधि प्राप्त करने के बाद पहले क्रम में विद्यार्थी (बायें से) मयंक तिवारी, प्रशांत सिंह और अनिरुद्ध परमार। दूसरे क्रम में (बायें से) राजकुमार कांकाणी, विक्रम किलोस्कर, आशीष चौहान और संजीव परासर। ● संस्थान

श्यामला गोपीनाथ, डीन संजीव परासर समेत अन्य मौजूद रहे।

**छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बिखेरी छटा:** दीक्षा समारोह के दौरान आइआइएम के छात्रों

ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में छात्रों के मंच पर आते हुए तालियां गूंजने लगीं। मुख्य अतिथि विक्रम किलोस्कर का छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुसार गौरसिंग

पहनाकर स्वागत किया। बता दें कि गौरसिंग परिधान आदिवासी संस्कृति में बड़ा महत्व रखता है। किलोस्कर ने भी छत्तीसगढ़ी परंपरा व संस्कृति की तारीफ की।

Naidunia, 15th June 2022, p. 2